



International Journal of Advance Studies and Growth Evaluation

दूरवर्ती शिक्षा के अध्ययन केन्द्र के विद्यार्थियों एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि, पर आधारित कार्य संतुष्टि के प्रभाव का अध्ययन

*¹ डॉ. जगदीश कुमार

*¹ असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, श्री रामेश्वर दास अग्रवाल कन्या महाविद्यालय हाथर, उत्तर प्रदेश, भारत।

Article Info.

E-ISSN: 2583-6528

Impact Factor (QJIF): 8.4

Peer Reviewed Journal

Available online:

www.alladvancejournal.com

Received: 17/July/2026

Accepted: 20/Aug/2026

सारांश:

आधुनिक समाज के निर्माण में व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका उल्लेखनीय है विद्यार्थियों के भावी जीवन के आधारशिला के रूप में मार्गदर्शन का कार्य करती है तथा जीविकोपार्जन का संतोषजनक माध्यम भी है। कार्य संतुष्टि किसी कार्य को पूर्ण कर के आनंद की अनुभूति और सुकून देता है। प्रस्तुत शोध में दूरवर्ती शिक्षा के छात्रों के व्यावसायिक अभिरुचि और अशासकीय कॉलेज छात्रों के व्यावसायिक अभिरुचि के प्रति रुझान को आधार बनाकर कार्य किया गया है। शोध कार्य में पाया गया कि व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि लक्ष्य पूरक है, इन दोनों में सार्थक संबंध पाया गया है।

*Corresponding Author

डॉ. जगदीश कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, श्री रामेश्वर दास अग्रवाल कन्या महाविद्यालय हाथर, उत्तर प्रदेश, भारत।

मुख्य शब्द: व्यावसायिक, जीविकोपार्जन, कार्य संतुष्टि शैक्षिक आकांक्षा, दूरस्थ शिक्षा, सर्वांगीण विकास सर्वांगीण विकास।

प्रस्तावना:

शिक्षा आदर्श जीवन के आधार के साथ साथ जीविकोपार्जन का साधन भी बनती जा रही है। शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों में विद्यार्थियों के अंदर योग्यता का निर्धारण करना विशेष रूप से शामिल है। विद्यार्थियों के रुचि के सापेक्ष विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम एवं सिलेबस तैयार किए जाते हैं जिसमें शिक्षक अपने शिक्षण विधाओं, सिद्धांतों उपागमों, शिक्षण कार्य शैली एवं कार्य संतुष्टि के माध्यम से शिक्षा के उद्देश्यों को अंतिम रूप प्रदान करता है। विद्यार्थियों में शैक्षिक अभिरुचियों, व्यवसायिक रुचियों, शैक्षिक आकांक्षाओं, योग्यताओं का विकास संभव होता है।

विद्यार्थी शिक्षण संस्थाओं का चयन करते समय उन सभी इन बातों का विशेष ध्यान रखता है जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व क्षमताओं, योग्यताओं को साकार करने के लिए विशेष योगदान प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों की सर्वांगीण विकास में शिक्षक के कार्य संतुष्टि का विशेष योगदान होता है।

संबंधित शोध साहित्य का अध्ययन

प्रस्तुत शोध पत्र में मुख्य रूप से व्यावसायिक अभिरुचि एवं शिक्षण कार्य संतुष्टि से संबंधित एवं शोध साहित्य का अध्ययन की चर्चा विशेष महत्वपूर्ण है।

कार्य संतुष्टि से संबंधित शोध साहित्य का अवलोकन

1. ब्यास एम.बी.2001- एम बी व्यास ने अपने शोध अध्ययन में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का उनके लिंग एवं दांपत्य जीवन तथा शैक्षिक योग्यता के परिपेक्ष में अध्ययन किया एक एक आदर्श न्यायाधीश की संरचना में जूनागढ़ और पोरबंदर जिला के 3000 प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को गुच्छ प्रतिचयन विधि के माध्यम से 1770 पुरुष शिक्षक तथा 1230 शिक्षक का चुनाव किया। आंकड़ों के विश्लेषण उपरांत जो परिणाम फलित हुए उसमें विवाहित शिक्षकों और अविवाहित शिक्षकों में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ के शिक्षकों की वैवाहिक स्थिति से उनकी कार्य संतुष्टि प्रभावित थी।

2. जोशी हरीमा एल 2004- गुजरात प्रदेश के सौराष्ट्र परिक्षेत्र के B.Ed प्रशिक्षित शिक्षक B.Ed प्रशिक्षुओं कार्य संतुष्टि पर अध्ययन किया आदर्श न्यादर्श के रूप में प्रशिक्षित शिक्षक 120 तथा B.Ed प्रशिक्षुओं को न्यादर्श के रूप में चयन किया प्राप्त निष्कर्ष का परिणाम यह रहा कि B.Ed प्रशिक्षुओं की कार्य संतुष्टि एवं व्यावसायिक जुड़ाव में सकारात्मक सार्थक संबंध पाया गया। ऐसे शिक्षक जो एकांकी परिवार से जुड़े थे उनकी संयुक्त परिवार वाले शिक्षकों की कार्य संतुष्टि अधिक पायी गई।

व्यावसायिक अभिरुचि, संबंधित साहित्य का अवलोकन

1. रवि शंकर 2018- रवि शंकर ने अपने शोध कार्य में माध्यमिक विद्यालय स्तर वाले छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षा का पारिवारिक संरचना, समाजिक परिवेश, एवं विद्यालय स्वरूप के परिपेक्ष्य का अध्ययन किया शोध कार्य को निष्कर्षात्मक रूप प्रदान करने के लिए एकल एवं संयुक्त परिवारों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का अध्ययन, सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी की व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन तथा ग्रामीन और शहरी माहौल में रहने वाले एकल एवं संयुक्त परिवारों को व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक किया गया है।
2. पाल 2015 पाल ने अपने शोध कार्य “उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं माध्यमिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक एवं व्यावसायिक आकांक्षा पर तुलनात्मक अध्ययन” में कार्य किया इन्होंने माध्यमिक शिक्षा परिषद शैक्षिक आकांक्षा तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन किया।

शोध की आवश्यकता और महत्व

शोधार्थी द्वारा चयन शोध पत्र की आवश्यकता और महत्व युवा वर्ग के भावी जीवन के अनुभव का प्रमुख स्रोत है। ये नीतियों, योजनाओं, भावी लक्ष्यों के निर्धारण में मनोवैज्ञानिक पक्ष है। अनुसंधान रिसर्च प्रोजेक्ट वर्क, शोध पत्र, इत्यादि देश की भावी संभावनाएं तलाशती हैं। वर्तमान परिवेश में बदली हुई वैश्विक परिस्थितियों में शिक्षा के स्वरूप, उद्देश्य, कार्य, प्रणाली, सिद्धांत, शिक्षण विधि साथ ही नवीन आयामों के सापेक्ष शोधार्थी का यह अन्वेषण विशेष महत्व पूर्ण है और इसकी आवश्यकता भी है। जीविकोपार्जन को एक मजबूत आधार प्रदान करने में व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि मील का पत्थर है।

शोध समस्या का कथन

“दूरवर्ती शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि पर आधारित कार्य संतुष्टि के प्रभाव का अध्ययन”।

शोध में प्रयुक्त शब्दों का अर्थान

1. **दूरवर्ती शिक्षा के अध्ययन केन्द्र:** दूरस्थ शिक्षा वह शिक्षा है जो अधिगमकर्ता को उसके सुविधा के अनुरूप कुछ नियमों, सिद्धान्तों, अध्ययन पद्धति, का निर्धारण करती है। इस शिक्षा में शिक्षण प्रक्रिया के सुचारू रूप से संचालन के लिए राज्य वार, जिला वार, क्षेत्र वार, ब्लॉक वार अध्ययन केन्द्र का संचालन होता है। दूरस्थ शिक्षा के मुख्यालय से सभी अध्ययन कोर्स संचालित किए जाते हैं इन शिक्षण संस्थानों में निरौपचारिक शिक्षा का अनुपालन होता है।
2. **अशासकीय विद्यालय:** अशासकीय विद्यालय ऐसी शिक्षण संस्थान है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होती है और सरकार द्वारा वित्तिय अनुदान से आच्छादित होती है। इसमें औपचारिक शिक्षा का अनुपालन होता है।

3. **व्यावसायिक अभिरुचि परीक्षण:** व्यवसाय, कार्य, कैरिएर के क्षेत्र के प्रति जागरूक, पसन्द, रुझान, किसी इंसान की व्यावसायिक अभिरुचि है। व्यावसायिक अभिरुचि एक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरण है जो किसी व्यक्ति की रुचियों की पसंद नापसंद को प्राथमिकता प्रदान करते हुए व्यावसायिक क्षेत्र को चुनने के लिए आधार प्रदान करता है।
4. **कार्य संतुष्टि:** संतुष्टि प्रसन्नता की अनुभूति होती है यह विशेष आवश्यक कार्य की पूर्ति होने पर स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होती है। यह किसी भी कार्य एवं बाधाओं की सकारात्मक परिणाम का कारूप है।

शोध कार्य के उद्देश्य

शोध पत्र के उद्देश्य इस प्रकार से हैं

1. दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि का अध्ययन करना।
2. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि का अध्ययन करना।
3. दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।
4. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

शोध परिकल्पना निष्कर्ष के लिए आधार प्रदान करता है।

1. दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि में सार्थक अंतर नहीं है।
2. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि में सार्थक अंतर नहीं है।
3. दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों के कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर नहीं है।
4. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर नहीं है।
5. दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि पर कार्य संतुष्टि के प्रभाव का सार्थक अंतर नहीं है।

शोध कार्य का सीमांकन

शोध कार्य का सीमांकन इस प्रकार से किया गया है।

1. शोध कर्ता अध्ययन प्रक्रिया में अपने समय का प्रबंधन करते हुए हाथरस जनपद के दो तहसील के कॉलेजों को जनसंख्या का हिस्सा बनाया है।
2. जनपद की हाथरस तहसील में जनपद का बहुप्रतीक्षित कॉलेज सेठ फूल चन्द बंगला पी जी कॉलेज हाथरस है। इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय दिल्ली का अध्ययन केंद्र है। इग्नू के अध्ययन केन्द्र पी सी बंगला से 50 विद्यार्थी का चयन किया गया है।
3. पूरे अध्ययन केन्द्र से केवल 50 विद्यार्थियों को चुना गया जिनके विषय में समानता नहीं है।
4. बिजेंद्र जनता महाविद्यालय बिसावर सादाबाद हाथरस के द्वितीय सेमेस्टर के सभी विषय के 50 विद्यार्थियों का चुनाव किया गया है।
5. अध्ययन प्रक्रिया में केवल 100 छात्रों का चयन किया गया है जनसंख्या निर्धारण में लॉटरी विधि को अपनाया गया।
6. इस अध्ययन में छात्र एवं छात्राओं दोनों को सम्मिलित किया गया है।
7. इस अध्ययन कार्य में किसी एक विषय वर्ग के छात्रों का चयन नहीं किया गया है, बल्कि महाविद्यालय के एवं अध्ययन केंद्र के सभी कोर्सों के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

शोध उपकरण

शोध कार्य में मनोवैज्ञानिक उपकरण के चयन में निम्न उपकरण हैं।

1. **व्यावसायिक अभिरुचि प्रपत्र:** एस पी कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित व्यावसायिक अभिरुचि प्रपत्र vocational Interest record का प्रयोग इस शोध कार्य में प्रयुक्त किया गया है।
2. **कार्य संतुष्टि:** डॉ मीरा दीक्षित द्वारा तैयार की गई कार्य संतुष्टि मापनी का प्रयोग इस शोध कार्य में प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त शोध अध्ययन विधि

शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि को अपनाया गया है। जनसंख्या निर्धारण में 50 विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र से तथा अशासकीय

विद्यालय के 50 विद्यार्थी का चयन किया है। कुल 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी

शोध कार्य में सांख्यिकी के रूप में मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, टी परीक्षण तथा सहसंबंध का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या

आँकड़ों के विश्लेषण आधार पर व्याख्या प्रस्तुत करने के लिए कुछ चुनिंदा सारणी का निर्माण किया जा रहा है। जो इस प्रकार से निम्नवत है।

तालिका 1: दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र के कॉलेज विद्यार्थियों एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि का मान

समूह	न्यादर्श	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	टी का मान	सार्थकता स्तर	टी परिणीत मान
दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी	50	221.11	20.68	1.95	0.05	1.16
अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थी	50	215.55	17.91	2.58	2.56	

उपरोक्त तालिका के अनुसार दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र 50 के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि में मध्यमान 221.12 प्रामाणिक विचलन 20.68 है तथा अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि का मध्यमान 215.55 तथा प्रामाणिक विचलन

17.91 है। टी का परिणीत मान 1.16 है। जो सार्थकता स्तर 0.05 एवं 0.01 दोनों स्तर पर 2.58 से कम है अतः दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है। स्वीकार किया गया है।

तालिका 2: दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र के कॉलेज विद्यार्थियों एवं अशासकीय विद्यालय विद्यार्थियों के कार्य संतुष्टि का मान

समूह G	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	सार्थकता स्तर	टी मान	टी परिगणित मान
दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी	50	307.14	23.04	0.04	1.95	0.13
अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थी	50	307.61	24.23	0.01	2.58	

तालिका संख्या 2 के विवेचना में स्पष्ट होता है कि दूरस्थ शिक्षा के 50 विद्यार्थियों की कार्य संतुष्टि का मध्यमान 307.14 प्रामाणिक विचलन 23.04 और अशासकीय विद्यालयों के 50 विद्यार्थियों के कार्य संतुष्टि

का मध्यमान 307.61 प्रामाणिक विचलन 24.23 है। टी परिगणित मान 0.13 जो सार्थकता स्तर 0.05 एवं 0.01 पर 1.95 तथा 2.58 से कम है। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार है।

तालिका 3: व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि का मान

समूह	संख्या	मध्यमान	सह संबंध	सार्थकता मान	टी मान	परिगणित मान
व्यावसायिक रुचि	100	217.85	0.72	0.04	13.7	21.80
कार्य संतुष्टि	100	307.44		0.01	11.5	

तालिका संख्या 3 विवेचन में व्यावसायिक अभिरुचि प्रपत्र के 100 व्यावसायिक वर्ग छात्रों का मध्यमान 217.85 तथा 100 कार्य संतुष्टि के छात्रों का मध्यमान 307.44 है और सह संबंध मान 0.72 टी परिगणित मान 21.80 है जो की सार्थकता स्तर 0.05 तथा 0.01 स्तरों पर क्रमशः 13.7 और 11.5 से ज्यादा है।

अतः शून्य परिकल्पना दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के विद्यार्थियों और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि में सार्थक संबंध नहीं होता है। अस्वीकृत की जाती है।

दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के विद्यार्थियों और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि में सार्थक संबंध होता है।

शोध कार्य का निष्कर्ष

1. दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के विद्यार्थियों और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि में सार्थक अंतर नहीं है स्वीकार्य की जाती है।
2. दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के विद्यार्थियों और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर नहीं है शून्य परिकल्पना स्वीकार्य की जाती है।

3. दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के विद्यार्थियों और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि में सार्थक संबंध नहीं होता है। अस्वीकृत की जाती है।

शोध अध्ययन का शैक्षिक निहितार्थ

शैक्षिक योग्यता के निर्धारण में एवं किसी भी विशेष क्षेत्र में अग्रसर होने के लिए विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि साथ ही साथ कार्य संतुष्टि का होना इनमें सामंजस्य स्थापित होना। विद्यार्थियों के लक्ष्यों को सुदृढ़ करती है। शोध कार्य में सर्वे के उपरान्त यह सिद्ध होता है कि व्यावसायिक अभिरुचि और कार्य संतुष्टि एक लक्ष्य का निर्धारण करते हैं और सफलता प्राप्त करने में सहायक है।

संदर्भ सूची:

1. कौल लोकेश 2009 मेथडलॉजी ऑफ एजुकेशन नई दिल्ली - विकास पब्लिकेशन हाउस।
2. भार्गव महेश 2010 मनोविज्ञान परीक्षण एवम् मापन आगरा एच.पी. भार्गव बुक हाउस।
3. अस्थाना एवम् अग्रवाल 2005 मनोविज्ञान और शिक्षा के मापन एवम् मूल्यांकन - विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

4. सिंह जे.के.एंड जैन एम. कर्मचारियों की नौकरी संतुष्टि और उनके प्रदर्शन पर इसके प्रभाव का अध्ययन जर्नल ऑफ इंडियन रिसर्च, (14)
5. जलगत.आर 2016 नौकरी प्रदर्शन, नौकरी संतुष्टि और प्रेरणा उनके सम्बन्ध की एक महत्वपूर्ण समीक्षा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स।
6. सिंह ए.के. 2015 मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में अनुसंधान विधियां नई दिल्ली -मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन।
7. सक्सेना ए. के. 2016 शिक्षा में अनुसंधान जयपुर प्वाइंटर पब्लिकेशन।
8. शर्मा बी. 2017 प्रारंभिक शिक्षा के भावी शिक्षकों के व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति वचनबद्धता तथा जीवन संतुष्टि का अध्ययन इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल्स ऑफ कॉमर्स आर्ट साइंस।
9. दर्शन डी नवोदय एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन शैक्षिक लघु शोध संकलित 89.94
10. मंगल एस.के. व्यावहारिक विज्ञान अनुसंधान विधियां पी. एच.आर. प्राइवेट लिमिटेड।
11. भटनागर सुरेश 2010 शिक्षा मनोविज्ञान आर लाल बुक डिपो।
12. सिंह डी. आर 2009 शिक्षा मनोवैज्ञानिक आधार इलाहाबाद न्यू कैलाश प्रकाशन
13. लाल आर.बी. एवम आर. एन. 2011 शिक्षा मनोविज्ञान रस्तोगी पब्लिकेशन।